nwda.gov.in

शहर की प्यास बुझा रहा 200 साल पुराना कुआं!

बेंगलुरु में 1800 के दशक का विशाल 'मदरवेल' मिला, अभी भी भरा है पानी

Vindhya.Pabolu
@timesofindia.com

बेंगलुरु: सेंट्रल बेंगलुरु के बोरिंग इंस्टिट्यूट में एक ऐतिहासिक खजाना मिला है। सालों की रिसर्च के बाद, जमीन के नीचे दबा 200 साल पुराना एक विशाल कुआं खोजा गया है। यह कुआं, जिसे 'मदरवेल' कहा जाता है, कभी ब्रिटिश सैनिकों और उनके घोड़ों के लिए पानी का मुख्य स्रोत हुआ करता था। पिछले ह को जब इस कुएं की खुदाई हुई, तो उसमें से बिलकुल साफ पानी निकला, जिसने सबको हैरान कर दिया।

भूली-बिसरी इमारत के नीचे दफन था इतिहास का वह पन्ना

यह कुआं 1800 के दशक की शुरुआत का है और इसकी पत्थर की दीवारें आज भी उतनी ही मजबूत हैं। इसका दायरा लगभग 25 फीट और गहराई 40 फीट है। लंबे समय तक यह एक इमारत के नीचे दबा रहा था, जिसमें हेल्थ सेंटर और बार जैसी चीजें थीं।

बोरिंग इंस्टिट्यूट के सचिव श्रीकांत एचएस ने बताया कि यह उन खास कुओं में से एक था, जो कभी नहीं सूखते थे। पिछले साल बेंगलुरु में पानी के गंभीर संकट ने क्लब प्रबंधन को इस पुराने जल स्रोत को फिर से जिंदा करने के लिए प्रेरित किया। यह मदरवेल सामान्य कुओं से अलग होते हैं, क्योंकि ये सीधे जमीन के नीचे के प्राकृतिक जल स्रोतों से जुड़े होते हैं। ये न केवल पानी देते हैं, बल्कि बारिश के पानी को सोखकर जमीन का जल स्तर भी बनाए रखते हैं।

कुआं खोजने का काम 2016 में शुरू हुआ था, लेकिन कोविड-19 के कारण इसमें देरी हुई। तीन महीने पहले खुदाई शुरू हुई और अब लगभग 15 दिनों में यह पूरी तरह तैयार हो जाएगा। इसके बाद यह कुआं संस्थान की पीने, खाना पकाने और अन्य जरूरतों के लिए पानी की आपूर्ति करेगा।

यह खोज सिर्फ एक पानी का स्रोत नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रतीक है कि हम अपनी ऐतिहासिक विरासत को बचाकर भविष्य की जरूरतों को भी पूरा कर सकते हैं। बोरिंग इंस्टिट्यूट ने यह साबित कर दिया है कि पुरानी धरोहरों का सम्मान करते हुए विकास करना संभव है।